वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 89 | गुरुवार 27 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में तेज बारिश से सड़कों पर भरा पानी

बीकानेर में कॉलोनियां डूबीं; 4 जिलों में अलर्ट

जयपुर

राजस्थान में बुधवार दोपहर जयपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, अलवर, सीकर और झुंझुनूं में तेज बारिश देखने को मिली। राजधानी जयपुर के टोंक-सीकर रोड पर तो एक-एक फीट से ज्यादा पानी भर गया। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ इलाके में 1 घंटे तक जमकर बरसात हुई। यहां की आड़सर कॉलोनी सहित कई इलाकों में पानी भर गया। पानी लोगों के घरों में भी घुस गया। इसी तरह से अलवर और उससे लगते एनसीआर एरिया, सीकर और झुंझुनूं के कुछ इलाकों में मध्यम से तेज बारिश हुई है। श्रीगंगानगर में भी 1 घंटे तक बारिश का दौर चला। जयपुर मौसम केंद्र ने जयपुर, भरतपुर, अजमेर और बीकानेर में मध्यम से तेज बारिश की संभावना जताई थी। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो जयपुर, दौसा, बाड़मेर, गंगानगर, अलवर, जालोर, उदयपुर, झुंझुनूं, चूरू, सिरोही, भरतपुर समेत कई जिलों में 1 से लेकर 3 इंच तक बरसात हुई। सबसे ज्यादा बरसात सिरोही के देलदर में 71MM हुई। सिरोही में कई जगह हुई तेज बारिश के कारण यहां वेस्ट बनास में लगातार पानी आ रहा है। बनास, त्रिवेणी समेत दूसरी नदियों में लगातार पानी आने से बीसलपुर बांध का गेज तेजी से बढ़ने लगा है। बीसलपुर बांध का गेज पिछले 24 घंटे के दौरान 3 सेमी. तक बढ़ गया। बांध का गेज अब 313.59 सेमी. हो गया है।

जयपुर में सड़कों पर पानी-पानी

जयपुर में दोपहर करीब 12:30 बजे बारिश शुरू हो गई। टोंक रोड, 22 गोदाम, सहकार मार्ग, परकोटा, एमआई रोड, सीकर रोड, जेएलएन मार्ग समेत कई जगहों पर रुक-रुक कर तेज बारिश हुई। टोंक रोड पर आधा से एक फीट तक पानी भर गया। इससे ट्रैफिक का संचालन बाधित हुआ। यही नहीं, भारत जोड़ो एलिवेटेड रोड पर सोडाला से अंबेडकर सर्किल की ओर करीब 1 किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

29 जुलाई से थमेगा बारिश का दौर

जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आज आंध्र प्रदेश-ओडिशा तट पर बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बना हुआ है। मानसून ट्रफ लाइन आज जैसलमेर, कोटा से होकर गुजर रही है। इसके प्रभाव से आज जयपुर, भरतपुर, अजमेर व बीकानेर संभाग में मानसून सक्रिय रहने तथा अधिकांश भागों में मध्यम और कहीं-कहीं पर तेज बारिश होने की संभावना है। 27 जुलाई को दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान को छोड़कर अधिकांश भागों में मानसून सक्रिय रहने से हल्की-मध्यम बारिश और कोटा, उदयपुर, जयपुर संभाग में एक-दो स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। 28 जुलाई को बारिश की

गतिविधियां भरतपुर, जयपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में जारी रहने की संभावना है। 29 जुलाई से राज्य में बारिश की गतिविधियों में कमी आने और केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। राज्य में अब तक 80 फीसदी ज्यादा बरसात राजस्थान में इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 80 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। राज्य में अब तक कुल 325.9MM बारिश हुई है, जबकि एक जून से 25 जुलाई तक राज्य में औसत बरसात 180.8MM तक होती है। केवल बारां ऐसा जिला है, जहां सामान्य से 13 फीसदी कम बारिश हुई है। शेष सभी जिलों में बारिश सामान्य से ज्यादा है। अब तक सबसे ज्यादा बरसात 927.8MM सिरोही जिले में हो चुकी है।

सच्ची श्रद्धा और आस्था से होती है पुण्य की प्राप्ति : आचार्य विवेक सागर

48 दिवसीय श्री भक्तामर स्तोत्र प्रवचन श्रृंखला एवं दिपर्चन, संगीतमय श्री भक्तामर स्तोत्र पाठ में 48 दीप समर्पित

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। 48 दिवसीय आयोजन के अन्तर्गत नौवें दिन आचार्य विवेक सागर महाराज ने पंचायत छोटा धड़ा नसियां में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा देव आज्ञा,गुरु आज्ञा ,शास्त्र आज्ञा इन्हीं तीनो शब्दो में ही पूरा विश्व समाया है। हिंदी वर्णमाला अ से प्रारंभ होकर ज्ञ पर पूर्ण होती हैं आज्ञा मे ही सब समाहित है आचार्य मानतुंग स्वामी कहते हैं कि हे प्रभु आपकी आज्ञा मिली है तो मै कैसे नहीं भक्ति करू भक्तामर में भक्ति करने का माध्यम तो है ही लेकिन यहां प्रभु आज्ञा भी है यदि हम जिनेन्द्र भगवान की आज्ञा मे नहीं चलते हैं तो हम कृतघ्नी हैं जिनेन्द्र प्रभु तीन चीजे कहते है नित्य देव दर्शन,रात्रि भोजन निषेध ,पानी छानकर पीना यह सच्चे श्रावक का धर्म है। भक्तामर के नौवें काव्य में लिखा है धर्म प्रभावना करो आदिनाथ तीर्थंकर की प्रतिमा इतनी सुंदर है ये दूसरे को बताओ, भगवान से बाते करना भी भक्ति कहलाती हैं , भगवान में सच्ची श्रद्धा रखने पर भी पाप कर्म दूर हो जाते है,प्रभु में हमारी सच्ची श्रद्धा और आस्था होगी तभी पुण्य प्राप्त होगा। इससे पूर्व आयोजन में भक्तामर मंगल कलश की स्थापना एवं मांगलिक क्रियाएं मनभर देवी ठोलिया मातुश्री मनोज - मंजू ,निष्ठा ठोलिया परिवार ने सम्पन्न की इनका समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल,कोमल लुहाड़िया , विनय पाटनी, नरेन्द्र गोधा, नितिन दोसी,लोकेश ढिलवारी आदि ने माला शाल पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर स्वागत अभिनन्दन किया।

संगीतमय श्री भक्तामर स्तोत्र पाठ में 48 दीप समर्पित

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के समक्ष संगीतमय भक्तामर महिमा पाठ भव्य आयोजन किया गया। प्रवक्ता पदम चन्द सोगानी ने बताया भक्तामर स्तोत्र पाठ का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया, संगीत पार्टी व भजन गायक लोकेश ढिलवारी के भक्तिमय स्वरो के साथ साथ पुण्यार्जक मनोहर देवी ठोलिया मातुश्री मनोज - मंजू , निष्ठा ठोलिया परिवार के साथ समाज बन्धुओं ने सामूहिक रूप से भक्तामर के 48 महाकाव्यों को ऋद्धि सिद्धी मंत्रो उच्चारणो के साथ 48 दीप प्रज्वलित कर समर्पित किए गये तत्पश्चात जिनेन्द्र महाआरती की।

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा
राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड का
गठन किये जाने पर आभार
सकल जैन समाज राजस्थान को बधाई

ओमप्रकाश बड़जात्या श्री दिगम्बर जैन छोटा धड़ा पंचायत अध्यक्ष नसीराबाद
9414379864

आचार्य श्री आर्जव सागर जी ने कहा...

संयोग वियोग संसार में लगा रहता है संयोग में वियोग छिपा है

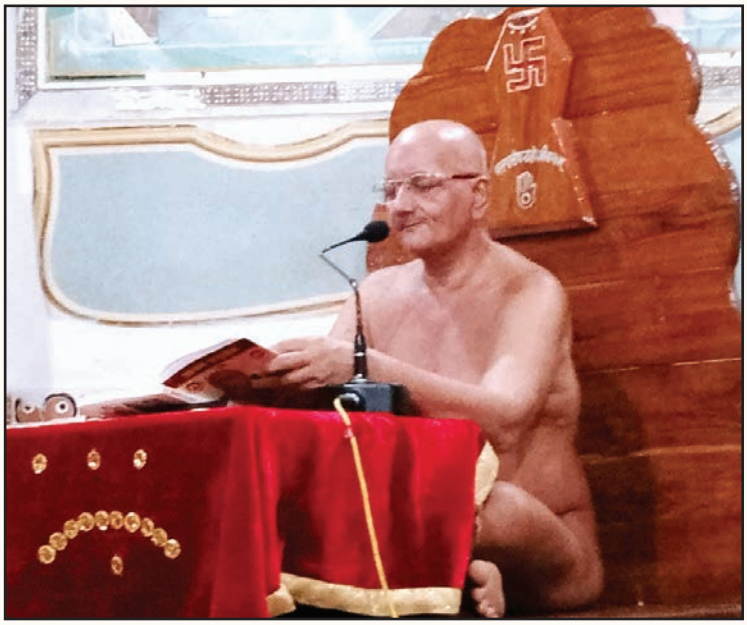

महासभा संयोजक विजय धुर्रा को मिला नवदा भक्ति का सौभाग्य

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संयोग वियोग संसार में लगा रहता है जव संयोग की दशा वनती है तो व्यक्ति खुश होता है फूला नहीं समाता वह अपने आगे किसी को कुछ समझता ही नहीं है थोड़े संयोग को पाकर यह संसारी प्राणी अहंकार में डूव जाता है इस जगत में जो संयोग वना है वह वियोग रुप ही है एक ना एक दिन आपको जो मिला है उसे छूटजाना है लेकिन हम इसे सुइकार नहीं करते हम सोचते हैं जो वस्तु मुझे मिली है इस पर मेरी ही मिल्कियत है और गाफि ल हो जाते हैं जव वह वस्तु सुख की साम्राज्ञी यहां तक कि व्यक्ति हमसे छूटने लगता है तो हम विलाप करने लगते हैं यहां संसार वियोग रुप है जिस जिस का संयोग हुआ है उसका वियोग तो होना ही है उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने सुभाषगंज मैदान में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

नवदा भक्ति पूर्वक आहार कराने का सौभाग्य विजय धुर्रा को मिला

आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज की नवदा भक्ति का सौभाग्य आज मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा के परिवार को मिला जहां परिवार जनों ने आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन कर पूजा अर्चना की और विधि पूर्वक शुद्ध आहार कराने का सौभाग्य प्राप्त किया इस दौरान परिवार के सदस्य राधेलाल धुर्रा राज कुमार चाचा देवेन्द्र ओमप्रकाश पवन जैन सुनील जैन सत्यम सिंघई पीयूष जैन विक्की भ इया नीलेश भइया सौरव जैन अनिल वे शीला मामा डॉ अर्पित नेशनल सहित अन्य भक्तों ने भी गुरु भक्ति का सौभाग्य प्राप्त किया शाम को आचार्य भक्ति के वाद प्रश्न उत्तरी का कार्यक्रम रखा गया जहां मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा दारा सही उत्तर देने वालों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया इस दौरान पाठशाला के वच्चो के साथ ही माता वहनो ने भी प्रश्न उत्तरी में भाग लिया ।

ध्यान के योग्य स्थान उचित वातावरण होना चाहिए

उन्होंने कहा कि आज ध्यान हर व्यक्ति करना चाहता है करता भी है लेकिन उसके लिए आवश्यक तैयारियां कोई नहीं करना चाहता ध्यान ध्यान कहा करना कैसे करना इन सब बातों को पहले अच्छी तरह से समझना होगा जहां भौतिक साधन ना हो भौतिक संसाधनों से दूर एकांत में ध्यान किया जाता है मन को पवित्र वनाने के साथ शरीर की शुद्धि भी ध्यान करने में सहायक वनेगी। एक बार एक व्यक्ति आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पास आया और बहुत धीरे धीरे वात करते हुए कहता है कि आचार्य श्री मैं ध्यान करना चाहता था ध्यान को बैठा तो मेरा सर फटा जा रहा है आचार्य श्री ने उसकी बात सुनकर कहा कि आप क्या खाकर आये है वह कहता अंडे खाकर आया हूं तव आचार्य श्री उसे समझाया कि जव आप अपने पेट में दूसरे जीवों को रखें है फिर ध्यान करना चाहते हैं ये सम्भव नहीं है उन्होंने उसे समझाया कि हर चीज की एक विधि होती है ध्यान के पहले शरीर की शुद्धि के साथ ही सब तरह से वातावरण को भी प्रस्त किया जाता है उसको समझाया वह धीरे-धीरे ठीक हो गया।

राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध एवम भ्रष्टाचार विरोधी, ब्यूरो नई दिल्ली ने पवन जैन पदमावत को मैग्निफिसन्स अवार्ड से नवाजा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

हैदराबाद। राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध एवम् भ्रष्टाचार विरोधी, ब्यूरो नई दिल्ली द्वारा गत दिवस तेलंगाना राज्य के हैदराबाद में हुए समागम में संस्था के संस्थापक, राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित गुप्ता एवं राष्ट्रीय महासचिव अभिजीत राणे ने पवन जैन पदमावत को स्मैग्निफिसन्स अवार्ड से नवाजा गया। पवन जैन पदमावत यूं तो भारत देशवासियों के लिए कतई अपरिचित नहीं है। लेकिन पवन जैन पदमावत का एक ऐसा मानवीय चेहरा भी है जो सबके लिए किसी भी प्रकार के बिना भेदभाव से कार्य करते है। संस्था के संस्थापक, राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित गुप्ता ने कहा राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध एवम् भ्रष्टाचार विरोधी, ब्यूरो नई दिल्ली के के मास मीडिया एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रभारी एवं पदमावत मीडिया के प्रधान सम्पादक पवन जैन पदमावत यूं तो भारत के जन-जन के लाडले जुझारू ऊजार्वान के नाम से जाने जाते हैं। छोटी सी उम्र में महाराष्ट्र एवं राजस्थान सहित हर राज्य में इन्होंने अपनी सेवा देकर एक कीर्तिमान बनाया है। इन्होंने हर कार्य पूरी निष्ठा से कार्य किए हैं। पवन जैन पदमावत को हाल ही में मध्य प्रदेश के उज्जैन जिला के बड़नगर में दिगम्बर जैन समाज द्वारा दिगम्बर जैन युवा रत्न की उपाधि से नवाजा गया है। राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध एवम् भ्रष्टाचार विरोधी, ब्यूरो नई दिल्ली के पांचवे स्थापना दिवस समरोह में संपूर्ण भारत देश से कई समाज सेवक एवं पुलिस अधिकारी ने भी भाग लिया। राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध एवम् भ्रष्टाचार विरोधी, ब्यूरो नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित गुप्ता ने समागम मे सभी अतिथियों का स्वागत किया। पवन जैन पदमावत ने राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध एवम्-भ्रष्टाचार विरोधी, ब्यूरो नई दिल्ली का धन्यवाद करते हुए कहा की वह समाज मे फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय मानव अधिकार अपराध एवम् भ्रष्टाचार विरोधी, ब्यूरो नई दिल्ली के साथ मिलकर कार्य रहेंगे।

खतरों के खिलाड़ी

उदयपुर. शाबाश इंडिया। भले ही वाहन चालकों के लिए तरह तरह के कानून बने हैं जिनकी पालना सुनिश्चित कराने के लिए गली मोहल्ले और चौराहों पर यातायात पुलिस व्यवस्था भी है , बावजूद इन सब के आमजन को कानून और जिन्दगी के साथ खिलवाड़ करने में खासा आनन्द मिलता है। इसकी बानगी आप भी इस चित्र में बखूबी देख सकते हैं। जिसमें उदयपुर नाथद्वारा हाइवे पर एक मोटर साइकिल पर चार सवारी (मय चालक वो भी बिना हेलमेट) नजर आ रही है। बारिश के दिनों में इस तरह की हिमाकत किसी बड़े खतरे को खुद न्यौता देती प्रतीत हो रही है। **फोटो स्टोरी : राकेश सोनी**

वेद ज्ञान

सफलताएं ताकत से नहीं

किसी ग्रामीण से किसी जिज्ञासु ने पूछा था, आपके गांव में कभी बड़ा आदमी पैदा हुआ? ग्रामीण सहजभाव से बोला, नहीं, हमारे यहां तो सब बच्चे ही पैदा होते हैं। ग्रामीण भाई जिज्ञासु व्यक्ति की भावना को सही रूप में समझ नहीं सका, यह दूसरी बात है, पर ग्रामीण के कथन से एक बात तो स्पष्ट हो जाती है कि किसी भी गांव या शहर में किसी भी समय कोई महापुरुष पैदा नहीं होता। कोई कितना ही बड़ा आदमी क्यों न हो, जन्म के समय तो वह बच्चा ही होता है। जिस प्रकार एक बीज में वृक्ष बनने की क्षमता होती है। बीज को उर्वर धरती, वर्षा, धूप, हवा आदि सहायक सामग्री की अपेक्षा रहती है, वैसे ही सपनों को, लक्ष्यों को और सफलताओं को आकार देने के लिए उपयुक्त वातावरण, उचित संरक्षण, दिल में उत्साह, परिश्रम और अच्छी शिक्षा-दीक्षा की आवश्यकता रहती है। सपनों और संकल्पों को मंजिल तक पहुंचाने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। इसके लिए जीवन में खुशी और प्रसन्नता आवश्यक है। चिंता या शंका का जीवन बिताने से हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, मन में संदेह और निराशा की भावना आ जाती है और हम अपने सपनों और संकल्पों को साकार करने में नाकाम हो जाते हैं। जब हम अपने दैनिक दिन जीवन को खुशनुमा बनाते हैं तो अपने सपनों और जीवन के बारे में भी हमारा नजरिया बदल जाता है। वह आशावादी होता है, कदम आगे बढ़ाने के लिए उसमें आत्मविश्वास आ जाता है। ज्यादातर सफल लोग बहुत अधिक कुशाग्र बुद्धि वाले नहीं होते। वे हमारे आपके जैसे साधारण लोग होते हैं, लेकिन उनमें अलग ढंग से सोचने और कुछ करने का जज्बा होता है। पहला कदम आगे बढ़ाने की हिम्मत होती है। उसके बाद दूसरा कदम उठाने का जोश होता है और उसके बाद तीसरा कदम चलने की लगन होती है। सफलताएं ताकत से नहीं लगन से ही हासिल की जाती हैं और इसमें मूल्यों का बहुत बड़ा योगदान होता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि मूल्यों को जब हम अपने कार्यों में शामिल करते हैं तो यह हमारे चरित्र का रूप ले लेता है। कोई भी मनुष्य हर मूल्य का सही मायने में अमल नहीं कर सकता है।

संपादकीय

बेहद चिंता का विषय है चीतों की निरंतर होती मौतें

पिछले दिनों कूनो राष्ट्रीय उद्यान में जब लगातार कई चीतों की मौत की खबर आई, तो स्वाभाविक ही पर्यावरणविदों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों के लिए यह चिंता का विषय बन गया। एक आशंका यह जताई गई कि उन्हें जो रेडियो कालर लगाया गया है, उसकी वजह से उनके भीतर संक्रमण हुआ और यह उनकी मौत का कारण बना। कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक, रेडियो कालर के डिजाइन की वजह से चीतों को घाव हो गया हो सकता है, जिसे समय रहते ठीक नहीं किया जा सका। कई बार संक्रमण के जटिल स्थिति में पहुंच जाने के बाद उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। हालांकि अभी यह अध्ययन का विषय है कि संक्रमण का मुख्य कारण रेडियो कालर ही है, फिर भी इससे जुड़ी आशंकाओं की वजह से छह चीतों में से रेडियो कालर को स्वास्थ्य परीक्षण के मकसद से फिलहाल निकाल दिया गया है लेकिन पर्यावरण मंत्रालय ने चीतों की मौत में इसे एक वजह बताने को अवैज्ञानिक भी बताया है।

गौरतलब है कि आमतौर पर वन्यजीवों पर नजर रखने के लिए उन्हें रेडियो कालर लगाए जाते हैं। कई बार या तो पशु का शरीर किसी बाहरी यंत्र के साथ संतुलन नहीं बिठा पाता या फिर उसकी बनावट के चलते कटने से घाव बन जाता है। ऐसी स्थिति में अगर समय पर उसे इलाज नहीं मिल पाता तो उसका जीवन संकट में पड़ सकता है। कई वन्यजीवों के शरीर की बनावट बेहद संवेदनशील होती है और आबोहवा बदलने का उस पर असर पड़ सकता है। किसी पशु पर नजर रखने के लिए कोई यंत्र उसके शरीर की संरचना के अनुकूल या प्रतिकूल भी साबित हो सकता है। दरअसल, सुचिंतित तरीके से किसी यंत्र को ऐसे प्रयोग से पहले परीक्षणों के कई स्तर से गुजारा जाता है, ताकि वह किसी वन्यजीव के लिए नुकसानदेह साबित न हो लेकिन यह कहना कई बार मुश्किल हो जाता है कि इस तरह के यंत्र किस पशु के लिए कितना अनुकूल साबित होंगे। ऐसे मामले भी अक्सर सामने आते रहे हैं जिनमें चीता या बाघ जैसे संरक्षित पशु प्राकृतिक कारणों की वजह से भी बीमार हो जाते हैं और समय पर इलाज न मिल पाने की वजह से उनकी मौत हो जाती है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाए गए चीते निश्चित रूप से देश में पारिस्थितिकी संतुलन की दिशा में एक ठोस पहल है, लेकिन इसके साथ-साथ चीतों के संरक्षण के लिए भी जरूरी इंतजाम करना सरकार का दायित्व होना चाहिए। प्रकृति की अपनी गति होती है और समय-समय पर भिन्न कारणों से होने वाले उतार-चढ़ावों का असर सभी जीवों पर पड़ता रहा है। खासतौर पर वन्यजीवों के मामले में कई बार स्थितियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं। कुछ पशु-पक्षी अनुकूल पर्यावरण में ही सुरक्षित रहते हैं। दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए बीस चीतों में कुछ के लिए शायद यहां के वातावरण से तालमेल बिठा पाना मुश्किल रहा और इसीलिए उनके जीवन और स्वास्थ्य के सामने कई तरह की जटिलताएं खड़ी हो रही हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अलगाववाद पर वार

खालिस्तान की मांग पिछले कुछ समय से फिर सिर उठाने लगी है। हालांकि पंजाब में अब इसकी बुनियाद नहीं बची है, मगर विदेशों में रह रहे कुछ आपराधिक वृत्ति के लोग इसे धार्मिक रंग देकर फिर से जिंदा करने के प्रयास में लगे हैं। ऐसे लोगों पर भारत की सुरक्षा एजंसियों की लगातार नजर बनी हुई है। अब ऐसे ज्यादातर लोगों की पहचान भी उजागर है, जो अलग खालिस्तान बनाने की मांग की आड़ में सीमा पार से हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी, जबरन वसूली तथा आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारत में अपने सहयोगियों की भर्ती कर रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजंसी यानी एनआइए ने अभी तीन ऐसे चरमपंथियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है, जो बब्बर खालसा इंटरनेशनल और खालिस्तान टाइगर फोर्स से जुड़े हैं। इसके अलावा इन संगठनों से जुड़े छह अन्य सहयोगियों को भी नामजद किया है, जो इनके लिए धन जुटाने का काम करते थे। ये संगठन विदेश से संचालित होते हैं। कुछ साल पहले तक ये संगठन यूके, कनाडा आदि में आधार बना कर खालिस्तान के समर्थन में गतिविधियां चलाया करते थे, मगर अब उन्होंने पंजाब में अपना आधार मजबूत करने के मकसद से वहां के युवाओं को गुमराह करना शुरू कर दिया है। अमृतपाल सिंह इसका हाल का उदाहरण है, जिसने विदेश से संचालित हो रहे खालिस्तान समर्थक संगठन के उकसावे पर पंजाब में युवाओं को गुमराह करना शुरू किया था। कुछ ही समय में उसने अपना एक मजबूत दस्ता बना लिया और लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़का कर खालिस्तान की मांग उठानी शुरू कर दी थी। हिंसक गतिविधियों के चलते जब उसके एक समर्थक को पुलिस ने गिरफ्तार किया तो उसने भारी संख्या में लोगों को लेकर अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। फिर पुलिस ने उस पर शिकंजा कसना शुरू किया। कुछ दिन तक वह छिप कर भागता फिरा, मगर आखिरकार पुलिस के सामने समर्पण कर दिया। तबसे पंजाब में फिर कोई इस तरह का उपद्रव देखने को नहीं मिला है। अब एनआइए ने विदेश में बैठे कुछ अलगाववादियों को निशाने पर लिया है, तो जाहिर है, इस तरह की गतिविधियों में लगे संगठनों और उनसे जुड़े सहयोगियों का मनोबल और कमजोर होगा। खालिस्तान की मांग उठाने वाले कई संगठन हैं, जो यूके आदि में सक्रिय हैं और पिछले दिनों उन्होंने भारत की छवि को धूमिल करने वाले कुछ ऐसे कार्यक्रम किए, जिस पर भारत सरकार ने सख्त आपत्ति दर्ज कराई और वहां की सरकार ने इसे गंभीरता से लिया। इस तरह अब ऐसे संगठनों पर चौतरफा वार की कोशिश की जा रही है। खालिस्तान की मांग उठाने वाले कुछ संगठनों का संबंध पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों से होने के सबूत भी उजागर हैं। छिपी बात नहीं है कि ये संगठन सीमावर्ती पंजाब में मादक पदार्थ और हथियारों की तस्करी में भी सहयोग करते हैं। इस दृष्टि से ये संगठन भारत-विरोधी गतिविधियों को हवा देने में लगे हैं। यह बात पंजाब के लोग तो समझ ही चुके हैं, जिसकी वजह से इन संगठनों की पैठ वहां नहीं बन पा रही। दूसरे, सुरक्षा एजंसियों की सक्रियता के चलते उनकी पहुंच नहीं बन पा रही, हालांकि भारत में अपने सहयोगियों को वे भरपूर धन उपलब्ध कराने का लोभ देते रहते हैं। अब उनकी भारत विरोधी गतिविधियों के तथ्य उनसे संबंधित सरकारों के सामने भी प्रकट हैं।

कुंद- कुंद ज्ञानपीठ द्वारा प्राकृत भाषा के निशुल्क अध्ययन हेतु पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त शोध संस्थान कुंद कुंद ज्ञानपीठ द्वारा जैन धर्म के शास्त्रों को सरलता से समझने के लिए जैन आगमों की प्राचीन भाषा प्राकृत के अध्ययन अध्यापन हेतु निशुल्क पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। संपूर्ण पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण सप्ताह में 2 दिन रात्रि 7:30 से 8:30 बजे तक ऑनलाइन द्वारा दिया जाएगा एवं अध्यन अध्यापन हेतु पाठ्यक्रम की संपूर्ण फीस एवं व्यय भी कुंद कुंद ज्ञानपीठ द्वारा वहन किया जाएगा। कुंद-कुंद ज्ञानपीठ के अध्यक्ष अमित कासलीवाल ने बताया कि यह पाठ्यक्रम श्रवणबेलगोला प्राकृत विद्यापीठ से संबद्ध है जिसका शुभारंभ 25 जुलाई को राष्ट्रीय प्राकृत विद्यापीठ श्रवणबेलगोला के निर्देशक श्री जयकुमार उपाध्ये ने किया। श्री उपाध्ये ने प्राकृत भाषा के उत्थान एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों के लिए कुंदकुंद ज्ञानपीठ की सराहना की और पाठ्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती रंजना पटोरिया कटनी, अमित कासलीवाल, एवं कुंदकुंद ज्ञानपीठ के पदाधिकारी एवं समाज के विशिष्ट जन मौजूद थे। पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण शिक्षा प्रकोष्ठ की चेयरमैन संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विदुषी प्रोफेसर डॉक्टर संगीता मेहता द्वारा दिया जाएगा। अमित कासलीवाल ने बताया कि परीक्षा में उपस्थित एवं श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को स्वर्गीय अजीत कुमार सिंह कासलीवाल स्मृति प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रमाण पत्र एवं प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। प्राकृत भाषा को सीखने के इच्छुक विद्यार्थी एवं समाज जन एमजी इस रोड स्थित कुंदकुंद ज्ञानपीठ (56 दुकान के पीछे) कार्यालय पर संपर्क कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरविंद जैन ने किया।

301महिलाओं की कलशयात्रा से श्रीराम कथा महोत्सव का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनता कॉलोनी स्थित जनोपयोगी भवन में नौ दिवसीय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव शुभारंभ बुधवार को 301 महिलाओं की निकली कलशयात्रा से हुआ। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। आज सुबह यह कलशयात्रा सेठी कॉलोनी राम जानकी मंदिर से पूजा अर्चना के साथ रवाना हुई। कलशयात्रा में मुख्य आयोजक गोरधन बड़ाया सिर पर कथा ग्रंथ लेकर चल रहे थे,वहीं 301 महिलाएं सिर पर मांगलिक कलष लेकर चल रही थी। कलश यात्रा सेठी कॉलोनी राम जानकी मंदिर से विभिन्न मार्गो में होती हुई कथा स्थल पहुंची। बग्गी में विराजे कथा व्यास पूज्य पुरूषोत्तम शरण महाराज का तिलक माल्यार्पण कर स्वागत किया। मार्ग में नागर मल अग्रवाल, कमल बड़ाया,सीताराम मामोडिया, गिर्राज बड़ाया, चंद्र महेश झालानी ने कलषयात्रा की पुष्पवर्षा व आरती उतारकर स्वागत किया। इस दौरान पूरा यात्रा मार्ग भगवान राम की भक्ति रस में सराबोर नजर आया। कलषयात्रा में भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, पार्षद नीरज अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इसी दिन श्रीराम कथा के प्रथम दिन कथा व्यास पूज्य पुरुषोत्तम शरण महाराज ने राम चरित की महिमा बताते हुए कहा कि श्रीराम कथा का श्रवण कर मानव को अपना जीवन धन्य बनाकर मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम जैसा आद१ अपने जीवन में अपनाना चाहिए। राम जैसा पुत्र बने और राम जैसा भाई बने और राम जैसा ही राजा बने। मानस में भगवान राम ने समाज के त्यागे वंचित लोगों का गले लगाया। इस मौके पर महाराजश्री ने इस पुरूषोत्तम मास के नियम भी बताए। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 27 को सती चरित्र,28 को षिव-पार्वती विवाह,29 को श्री राम जन्मोत्सव व बधाईयां,30 को राम जनाकी विवाह महोत्सव,31 को वन गमन,1 को भरत मिलाप,2 को नवधा भक्ति व अंतिम दिन 3 को रावण वध,राजतिलक की कथा सुनाएंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक होगी।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

भक्ति में लगाये श्रद्धा का पासवर्ड

गूंशी/निवाई. कासं। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी तह. निवाई जिला - टोंक (राज.) में आज श्री श्री 1008 शांतिनाथ महानुष्ठान रचाने का सौभाग्य श्रीमान अशोक कुमार जी सपरिवार दूनी वालों ने प्राप्त किया। गुरु माँ के मुखारविंद से अमृत वचन सुनने को सभी भक्त गण लालायित थे। आज की वृहद शांतिधारा में निवाई , दूनी , जयपुर , मौजमाबाद , साली , किशनगढ़ के लोगों ने भाग लिया। गुरू माँ के उपवास के पश्चात पारणा हुई । 120 अर्घ्य चढ़ाकर आहुति पूर्वक विधान का समापन हुआ। गुरू माँ ने प्रवचन देते हुए कहा कि - श्री शांतिनाथ विधान करने से 10 उपवास का फल मिलता है । जो भी श्रद्धा पूर्वक भक्ति आराधना करता है उसे बुद्धि एवं कर्जमुक्ति का फल प्राप्त होता है। माताजी ने कहा भक्ति का फल अवश्य मिलता है बस आवश्यकता है उसमें श्रद्धा का पासवर्ड डालने की।

गुरु जहाज के समान होते हैं : आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज

बड़ौत (उ.प्र.). शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने धर्म-सभा मेंकहा कि - गुरु जहाज के समान होते हैं, जैसे नौका में बैठक व्यक्ति नदी पार करते हैं, वैसे ही गुरुवाणी सुनकर भव्य जीव संयम धारण कर, भव पार हो जाते हैं। महाराज श्री ने कहा की संसार में धर्म ही शरणभूत है। गुरूओं की वाणी यथार्थ का बोध कराने वाली परम-औषधि है, जो जन्म-मरण- रूपी रोगों की दवाई है। भव पार करना है तो गुरूओं की शरण प्राप्त करो। संसार में संकटों से दूर करने वाला यदि कोई है तो वह एक मात्र सच्चा धर्म ही है, जो अहिंसा से परिपूर्ण है। महाराज श्री ने आगे कहा कि जिनके विचार पवित्र हैं, उनका ही भविष्य उज्ज्वल है। जिनका संयम निर्दोष होगा, वही मुक्ति प्राप्त कर सकता है। जो वैराग्य से भरा है, वही अपने संयम की रक्षा कर सकता है। जो आकांक्षाओं से भरा है, उसे चिंता, संक्लेशतापूर्ण जीवन जीना पड़ेगा। जिसकी चर्चा एवं चर्या निर्दोष होगी उसकी यश-पताका हमेशा लहराती रहेगी। समाज की उन्नति के लिए निद्वान्एवं धनवान्दोनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। असत्य भी सत्य होता है और सत्य भी सत्य होता है। असत्य असत्यरूप सत्य है, सत्य सत्यरूप सत्य है। कांच की माला स्फटिक की नहीं है, इसलिए लोग उसे नकली कहते हैं, परन्तु वह कांच की अपेक्षा असली ही है। यह जैन दर्शन की अनेकान्त-स्याद्वाद दृष्टि है। भूतार्थ भूतार्थ है, अभूतार्थ अभूतार्थ है। अपेक्षा को समझना पड़ेगा। जो अपेक्षा की समझ लेता है, वह विसम्वाद नहीं करता है। रत्नों में वज्र, चंदनों में मलयागिरि चंदन, तीर्थों में सम्मेदशिखर, मंत्रों में महामंत्र णमोकार श्रेष्ठ है, उसी प्रकार धर्मों में वीतराग-धर्म सर्वश्रेष्ठ है। विचारों में पवित्रता, क्रिया में अहिंसा, दृष्टि में अनेकान्त, बाणी में स्याद्वाद ही जैन धर्म है। सर्वश्रेष्ठ तीर्थ 'निजात्मा' ही है। शरीर मंदिर है, उसका परम।''देव 'आत्मा' है। निज देह में विराजित आत्मा ही 'परमात्मा' है। निजात्मा ही चैतन्य तीर्थ है।

संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

प्रभु पार्श्वनाथ का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी, नाम जपने से मिटते सारे कष्ट-इन्दुप्रभाजी म.सा.

भगवान की भक्ति कभी खाली नहीं जाती है अवश्य मिलता है उसका फल

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । तीर्थंकर प्रभु पार्श्वनाथ का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। भगवान के नाम के स्मरण मात्र से सारे कष्ट दूर हो जाते है। पार्श्वनाथ प्रभु की सच्चे मन से भक्ति करने वालों के जीवन में सुख शांति व समृद्धि का वास रहता है। कलयुग में जप-तप ही है जो हमारे जीवन को निर्मल व सार्थक बना सकते है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में बुधवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष (निर्वाण) कल्याणक दिवस के अवसर पर नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने पार्श्वनाथ प्रभु की स्मृति में कराए गए जाप की चर्चा करते हुए कहा कि जाप का फल अवश्य प्राप्त होता है। उन्होंने पार्श्वप्रभु के जीवन चरित्र की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह पार्श्वकुमार एक लकड़े में जल रहे सर्प-सर्पिनी के जोड़े को बाहर निकालते है ओर वेदना के समय में उनको महामंत्र नवकार सुनाते है। इससे उनको आत्मिक शांति मिलती है ओर मर कर देव धनेन्द्र व देवी पद्मावति बनते है। उन्होंने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह दशरथ जब डेढ़ माह के थे तभी उनके पिता दीक्षा ग्रहण कर लेते है ओर दशरथ का राज्याभिषेक हो जाता है। नारद रावण के पास लहूलुहान हालत में आता है तो रावण उसका कारण पूछता है। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ.समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि भगवान की भक्ति कभी खाली नहीं जाती है उसका फल जीवन में हमे अवश्य प्राप्त होता है। उन्होंने सुखविपाकसूत्र का वाचन करते हुए श्रावक के 12 व्रतों में से चौथे व्रत ब्रह्मचर्य एवं पांचवे व्रत अपरिग्रह की चर्चा करते हुए समझाया कि किस तरह के नियमों की पालना करके हम इन व्रतों को अपने जीवन में अंगीकार कर सकते है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन ही ऐसा अवसर है जब हम अपने कर्म बंध काट कर मुक्ति को प्राप्त कर सकते है। अन्य किसी भव में ये अवसर नहीं मिलता है। बिना मयार्दा अंगीकार किए हमे उसका फल प्राप्त नहीं हो सकता है। साध्वीश्री ने अनावश्यक वस्तुओं के संग्रह से बचने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जब आवश्यकता पर इच्छा हावी हो जाती है तो परिग्रह बढ़ता है। धर्मसभा में नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. ने प्रभु पार्श्वनाथ की स्मृति में भजन मेरे मन में पार्श्वनाथ, मेरे तन में पार्श्वनाथ,रोम रोम में समाया पार्श्वनाथ रे की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। धर्मसभा में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है।

धर्मपथ प्रभावना यात्रा के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद मानसरोवर जयपुर द्वारा आज प्रातः की बेला में श्योपुर प्रतापनगर की धरा पर चातुर्मास कर रहे आचार्य श्री विनीत सागर जी महामुनिराज ससँघ के मंगल सानिध्य एवम आशीर्वाद से दिनांक 06 अगस्त 2023 रविवार को बसों द्वारा संचलित होने वाली धर्मपथ प्रभावना यात्रा के धार्मिक पोस्टर का विमोचन श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर श्योपुर के सन्त भवन प्राँगण में आचार्य श्री के सम्मुख किया गया।।महाराज श्री ने मंगल आशीर्वाद देते हुए अपने प्रवचन में कहा कि ऐसी धार्मिक यात्राएं धर्म के मार्ग को प्रशस्त करती हुई जिन धर्म की प्रभावना में सदैव प्रगति पथ पर शोभायमान होती है,, ऐसा प्रयास सभी को समय समय पर करना चाहिए,,धर्म से जुड़ाव की भावना भी ऐसी यात्राओं से बलवंत होती है, सभी को धर्मपथ प्रभावना यात्रा के लिए मंगल आशीर्वाद। विमोचन में परम शिरोमणि संरक्षक डॉ राजीव जैन सतीश कासलीवाल अध्यक्ष अशोक जैन महामंत्री पारस बोहरा प्रतापनगर शाखा के अध्यक्ष अनिल पाटनी सलाहकार राकेश पाटनी आदि सदस्य भी मौजूद रहे।

अनायना सिंघवी ने 15.7 किलो की भवई उठाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

जयपुर

अनायना सिंघवी 18 वर्ष World record holder सबसे भारी मटके सिर पे उठाने के लिए (Golden Book Of world records) = 15.7 kg ki bhavai सिर पे रखके नृत्य कील, काँच, परात, तलवार, डबल ग्लास- ग्लोबल दीपोत्सव राजस्थान बीकानेर हाउस में प्रदर्शन कर प्राप्त किया।अनायना सिंघवी इंटरनेशनल भवाई और कथक डांसर हैं जिन्होंने स्पेन, श्रीलंका, दुबई, सिंगापुर में कई जीते इंटरनेशनल अवार्ड। स्पीकर, लेखक(book-ATARAXIA:un-inked to relearn), एथलीट ऑफ़ द ईयर ट्रॉफी (फुटबॉलर), फाउंडर ऑफ़ एनजीओ "द रेस्क्यू सोसाइटी"- जयपुर रत्न व राजस्थान हुनर सम्मान, नारी तुझे सलाम, विमन ऑफ़ थे फ्यूचर अवार्ड जैसे अवार्ड से नवाज़ा गया ।अनायना सिंघवी मात्र 6 वर्ष की उम्र से भवाई नृत्य करते आयी हैं इन्होंने पहला इंटरनेशनल अवार्ड 8 वर्ष की उम्र में जीता तथा देश विदेश में भारत की संस्कृती को बढ़ावा देना ही इनका लक्ष्य हैं।

स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन नसियां कीर्ति स्तंभ आमेर में आचार्य कुंदकुंद नैतिक शिक्षा समिति द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं वीतराग विज्ञान पाठशाला के बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण (पिकनिक) का कार्यक्रम हुआ जिसमें समिति के सभी 51 पदाधिकारियों एवं सदस्यों को जैन दर्शन के प्रसिद्ध विद्वान डॉ शांति कुमार पाटिल के द्वारा समाज की आध्यात्मिक - धार्मिक - आर्थिक - सामाजिक उन्नति हेतु कार्य एवम् सहयोग करने की प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों में परमातम प्रकाश भारिल्ल, अरविंद जैन, हीरा चन्द बैद, श्रीमति नमिता छाबड़ा श्रीमति शशि - नवीन जैन श्रीमति आशा पाटिल तरुण -श्रीमती अदिति जैन वयोवृद्ध समाजसेवी कैलाश सेठी एवं अनेक साधर्मी सम्मलित हुए समिति के अध्यक्ष संजय सेठी कार्याध्यक्ष पीयूस जैन ने सभी का आभार प्रदर्शित किया समिति के प्रचार सचिव राजेश जैन ने बताया इस अवसर पर वीतराग विज्ञान पाठशाला के बच्चों के द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए जिसमे आध्यात्मिक क्रिकेट कुर्सी दौड़ प्रश्नमंच आदि कार्यक्रम हुए अन्त में सभी 51सदस्यों द्वारा थंम की नाशिया परिसर में वृक्षारोपण कर हरियाली व खुशहाली का मंत्र दिया गया सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन प जिनकुमार शास्त्री ने किया इस अवसर पर अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन जयपुर महानगर द्वारा मासिक पूजन के अन्तर्गत आयोजित श्री 24 तीर्थंकर विधान पूजा जिनेन्द्र शास्त्री प. रिमांशु शास्त्री, अनेकांत शास्त्री, समकित शास्त्री ,मधुर शास्त्री आदि अनेक विद्वानों द्वारा संगीत के साथ सम्पन्न कराया। सम्पूर्ण कार्यक्रम श्रीमंत नेज, विनीत आकाश अरविं अभिजीत जी पाटिल मंथन जी गाला , अखिल जी आदि अनेक सदस्यों के अथक प्रयासों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य प्रैरक नवीन ' शास्त्री ने सभी से आचार्य कुन्द कुन्द नैतिक शिक्षा समिति के सदस्य बनने की अपील की ।

जिला कांग्रेस कमेटी, जयपुर शहर के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष आरआर तिवारी का किया स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स के प्रांतीय अध्यक्ष एवम् मुक्तानंद नगर विकास समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद पाटनी ने जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष आर आर तिवारी का उनके आवास पर जाकर माल्यार्पण कर अभिनंदन किया और अपनी शुभकामना दी। पाटनी के साथ जयपुर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महा सचिव जग मोहन जसोरिया, मुक्तानंद नगर विकास समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा और एसोसिशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स के प्रांतीय महा सचिव तथा उप राजकीय अधिवक्ता उमराव सिंह यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष ने भी विनोद पाटनी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिगम्बर जैन सोशल सम्यक द्वारा छात्रों को स्टेशनरी वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की स्थापना दिवस के उपलक्ष में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानव सेवा पखवाड़ा दिनांक 15 जुलाई 2022 से 31 जुलाई 2023 तक मनाया जा रहा है। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक गृप द्वारा भी मानव सेवार्थ पखवाड़े में एक कार्य क्रम 26 जुलाई 2023 बुधवार को राजवंश सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रातः 9 बजे आयोजित किया गया। सम्यक ग्रुप सचिव इन्द्र कुमार जैन ने बताया कि मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का यह कार्यक्रम ग्रुप के द्वारा हर वर्ष आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम के तहत राजवंश सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को दिगम्बर जैन सम्यक ग्रुप सम्यक के द्वारा पठन पाठन एवं लेखन सामग्री वितरित की गयी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ इन्द्र कुमार जैन द्वारा विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने हेतु स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में राजस्थान फेडरेशन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, संयोजक सुनील बज की गरिमामय उपस्थिति रही। अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के अध्यक्ष अजय जैन, संगिनी फॉरएवर ग्रुप की अध्यक्ष शकुन्तला बिंदायका, कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। राजवंश स्कूल की निदेशक श्रीमती सीता चौहान, अनिमेष चौहान व प्रिंसिपल नवल जी जैन भी उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम के आयोजन में पूरा सहयोग प्रदान किया।

मन्दिर कर्मों का चिकित्सालय : आर्यिका विशेष मति माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में चातुर्मास रत गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी की युवा शिष्या आर्यिका विशेष मति माताजी ने आज बुधवार के प्रवचन में कहा की जिस प्रकार रोगों को नष्ट करने हेतु चिकित्सालय जाते है उसी प्रकार अपने कर्मों को नष्ट करने भगवान के पास मन्दिर जाते है। श्रावक के तीन मूल गुण में एक नित्य देव दर्शन भी है। माताजी ने पानी छान कर पीने के संबंध में स्पष्ट किया की छने हुए पानी की मयार्दा मात्र 48 मिनट होती है अर्थात इस समय के बाद पानी को छना हुआ नहीं कह सकते। इसी प्रकार रात्रि भोजन त्याग के बारे में भी श्रोताओं को समझाया। प्रवचन से पूर्व संयम भवन में प्रातः स्वाध्याय में स्वयम्भू स्तोत्र का वाचन किया जा रहा है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

तीये की बैठक

हमारी पूज्य

श्रीमती कन्चन जैन

(धर्मपत्नी श्री गुलाबचन्द जैन)

का असामयिक निधन 26 जुलाई को हो गया है।
तीये की बैठक शुक्रवार, 28 जुलाई को प्रातः 8:30 बजे, जैनमंदिर, दुर्गापुरा होगी।

शोकाकुल: गुलाबचन्द (पति), ज्ञानचंद, कैलाशचंद-आशा (देवर-देवरानी), सुभाष-सुधा, विमल- रेखा, सन्तोष-राज, राकेश-बीना (पुत्र-पुत्रवधू), शांता-मृगेन्द्र (पुत्री-जंवाई) सुधांश-कृतिका, साकेत-शिवानी, प्रतीक - अंशुल, अर्पित-अभीषिका, शुभम-रिया, विवुध-मान्या (पौत्र-वधू), कोविद-विजय, लेशिता-उज्ज्वल, कृति-अंकित, सृष्टि-वरुण, प्राक्षी (पौत्री-जंवाई), शर्मिष्ठा-प्रतीक (दोहिती-जंवाई), प्रपौत्र-प्रपौत्रियाँ, पड़दोहिते-पड़दोहितियाँ, गंगवाल परिवार, अर्जुननगर, दुर्गापुरा। पीहरपक्ष- प्रमोद, जिनेंद्र पाटनी